M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION – 2016

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | |

Total No. of Questions : 12
कुल प्रश्नों की संख्या : 12

No. of Printed Pages : 4
मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

CIVIL LAW & PROCEDURE
व्यवहार विधि एवं प्रक्रिया

First Question Paper
प्रथम प्रश्न–पत्र

समय – 3:00 घण्टे
Time Allowed – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100

निर्देश :–
Instructions :-

1. All questions are compulsory. Answer to all the Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of the question, the English version shall prevail.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any Number or any mark of identification in any form in any place of the Answer Book not provided for, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/ identified from others, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.
उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

3. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be done.
सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता/मूल्यांकनकर्त्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो ऐसी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.No./प्र.क्र. **Marks/अंक**

CONSTITUTION OF INDIA
भारत का संविधान

1. In the light of the provisions of Article 141 of the Constitution of India discuss in brief the relationship between 'judicial hierarchy' and 'judicial discipline' with the help of case law.

   भारतीय संविधान के अनुच्छेद–141 के प्रावधान के प्रकाश में, निर्णय–विधि की सहायता से ''न्यायिक पदानुक्रम'' एवं ''न्यायिक अनुशासन'' के मध्य सम्बन्धों पर संक्षिप्त विवेचना करें । 8

2. Discuss, the doctrine of 'Pith and Substance' and the doctrine of 'Colourable Legislation' as applicable to Indian Constitution.

   भारतीय संविधान पर प्रयोज्य ''तत्व एवं सार का सिद्धान्त'' तथा ''आभासी विधायन का सिद्धान्त'' की विवेचना कीजिये । 8

CIVIL PROCEDURE CODE, 1908
सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908

3. Explain the meaning of 'civil suit' discuss the law relating to institution of suits in the light of relevant statutory provisions and case law.

   ''व्यवहार वाद'' के अर्थ की व्याख्या करें, प्रासंगिक सांविधिक प्रावधानों व निर्णयज विधि के प्रकाश में वादों के संस्थित किये जाने की विधि की विवेचना करें । 8

4. What are the prerequisites for production of additional evidence in the appellate Court under Order 41 Rule 27 of the Code. What is the proper stage to decide the prayer for production of additional evidence.

   संहिता के आदेश 41 नियम 27 के अंतर्गत अपीलीय न्यायालय में अतिरिक्त साक्ष्य की प्रस्तुति के लिये पूर्व अपेक्षाएं क्या हैं ? अतिरिक्त साक्ष्य की प्रस्तुति की प्रार्थना के निराकरण के लिये कौन सी अवस्था उचित है ? 8

TRANSFER OF PROPERTY ACT, 1882
संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882

5. "Property of any kind may be transferred". What are the exceptions to this rule ?

"किसी भी तरह की सम्पत्ति का हस्तांतरण किया जा सकता है ।" इस नियम के अपवाद बताइये। 8

6. Enumerate the essential elements of sale. How sale is made in the case of tangible immovable property ? Whether a sale may be held complete if possession is not delivered, or only part payment of price is made, or only sale deed is recorded and signed on requisite stamp papers but not registered ?

विक्रय के आवश्यक तत्वों को बताईये। मूर्त स्थावर सम्पत्ति के मामले में विक्रय कैसे किया जाता है ? क्या विक्रय को पूर्ण माना जा सकेगा यदि कब्जे का परिदान नहीं किया गया हो, या मूल्य का केवल अंशतः भुगतान किया गया हो, या केवल विक्रय–पत्र आवश्यक स्टॉम्प कागजों पर अभिलिखित व हस्ताक्षरित हो लेकिन पंजीकृत न कराया गया हो ? 8

INDIAN CONTRACT ACT, 1872
भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

7 Define "Contract of guarantee". What are the liability of a surety ? Describe briefly the distinction between 'Contract of indemnity' and "Contract of guarantee".

'प्रतिभूति की संविदा' को परिभाषित कीजिए। प्रतिभू के उत्तरदायित्व क्या है ? 'क्षतिपूर्ति की संविदा' एवं 'प्रतिभूति की संविदा' के मध्य अंतर को संक्षेप में वर्णित कीजिए । 8

8 What are the essential conditions under Section 56 of the Indian Contract Act, 1872 for applicability of doctrine of frustration ?

धारा 56 भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अंतर्गत विफलीकरण के सिद्धांत को लागू करने हेतु कौन–कौन सी आवश्यक शर्तें हैं ? 8

SPECIFIC RELIEF ACT, 1963
विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963

9 What are the requirements as to pleading and proof under Section 16(c) of the Act, in a suit for specific performance of a contract ?

संविदा के विर्निदिष्ट अनुपालन के वाद में अधिनियम की धारा 16(c) के अंतर्गत अभिवचन एवं सिद्धि की क्या अपेक्षायें हैं ? 8

LIMITATION ACT, 1963
परिसीमा अधिनियम, 1963

10. What are the conditions essential for an acknowledgment to save the period of limitation ? Can an acknowledgment made with reference to a subsisting liability, also extend limitation for a time barred debt or a claim.

परिसीमा काल को बचाने के लिए की गई अभिस्वीकृति की अनिवार्य शर्तें क्या हैं ? क्या किसी विद्यमान दायित्व के संदर्भ में की गई अभिस्वीकृति किसी अवधि बाधित ऋण अथवा दावे के परिसीमा काल में अभिवृद्धि कर सकती है। 8

HINDU MARRIAGE ACT, 1955
हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955

11. What is meant by judicial separation under the Act ? State under what grounds can judicial separation be obtained ? What are the effects of judicial separation ? Discuss fully.

अधिनियम के अंतर्गत न्यायिक पृथक्करण का क्या अर्थ है ? बताइए किन आधारों पर न्यायिक पृथक्करण प्राप्त किया जा सकता है । न्यायिक पृथक्करण के क्या प्रभाव हैं ? पूर्णतः विवेचन कीजिए। 8

MIXED
मिश्रित

12. **Write Short-notes on: -** 6+6=12

(1) Residuary Powers of legislation.
विधायन की अवशिष्ट शक्तियाँ

(2) Notice to admit facts.
तथ्यों की स्वीकृति हेतु नोटिस

****

M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION-2016

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | |

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें
Candidate should write his Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या : 5
Total No. of Questions : 5

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 6
No. of Printed Pages : 6

Second Question Paper
द्वितीय प्रश्न–पत्र
WRITING SKILL, COURT PRACTICE, TRANSLATION AND CURRENT LEGAL KNOWLEDGE

समय – 3:00 घण्टे
Time Allowed – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks - 100

निर्देश :–
Instructions :-

1. All questions are compulsory. Please, adhere to the words limit of answer where it is given with the question. Violation may lead to minus marking.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। जहाँ प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा प्रश्न के साथ दी गई है, उसका अवश्य पालन करें। उल्लंघन पर ऋणात्मक मूल्यांकन हो सकता है।

2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any mark of identification in any form or any Number or Name or Mark, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/identified from others, in any place of the Answer Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.
   उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

3. In case there is any mistake either of printing or of a factual nature, out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.
   यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतरों में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा।

4. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be done.
   सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता/मूल्यांकनकर्त्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

Q.1- Write an article in Hindi on any one of the following legal topics :
निम्नलिखित विधिक विषयों में से किसी एक पर हिन्दी में लेख लिखिए :

—20

(i) दण्ड के सिद्धान्त
Theory of Punishment.

(ii) लिव–इन–रिलेशनशिप
Live-in Relationship

Q.2- Summarize the following legal passage into English (In 200 words)
निम्नलिखित विधिक गद्यांश का अंग्रेजी में संक्षिप्तीकरण कीजिए (200 शब्दों में) :

—20

1. The case of prosecution is that the marriage of the accused Santosh Pawar and deceased Saraswatibai was solemnized on 17.06.2005 at Ramji Nagar, Maharashtra. Both the parties belonged to poor family and due to poverty, the deceased along with the accused was residing adjacent to her parental house situated at Ramji Nagar, Boragonmanu in a rented house of one Kankale, since one month prior to the incident. The accused and the deceased were earning their livelihood by doing daily wages work.

2. On 04.09.2005, the fateful day, at about 6.00 a.m., the deceased Saraswatibai went to answer nature's call and on her return, the deceased was questioned by the accused as to why she returned late and the accused suspected her fidelity. Although the deceased gave an explanation in order to satisfy her husband, the accused, but in spite of the deceased trying to convince the accused, the accused started assaulting her with fists and kicks. Thereafter the accused poured kerosene from a nearby lamp and set her ablaze. Saree of the deceased caught fire and the deceased ran towards the accused in an attempt to catch him, thereby burning the hands of the accused. When deceased started screaming for help, the accused, in order to save her, poured water on the deceased. In the meanwhile, after hearing the screamings of the deceased the neighbours and the parents of the deceased gathered and with their help the deceased was taken to the hospital. On the way to the hospital, the deceased narrated the whole incident to her mother Gangabai

(PW2) and sister-in-law Sindhu Sunil Ingole (PW3) and also to neighbor Raju Janrao Gavai (PW1).

3. On receipt of information about the occurrence from hospital, Sub Inspector of Police– Digamber Ramrao Ravrale (PW9) went to the Government Hospital and he verified the condition of the deceased through the Medical Officer. Digamber Ramrao Ravrale (PW9) then recorded the statement of deceased – Ex.24, on the basis of which FIR was registered for the offence under Section 307, Indian Penal Code. Police then sent a request letter to the Magistrate and on requisition of police, the then Executive Magistrate (PW7), went to the hospital. The Executive Magistrate first satisfied himself about the fit mental condition of the deceased through Dr. Vijaya Madhukarrao Pawanikar (PW6) and thereafter he recorded the dying declaration of deceased Saraswatibai. Saraswatibai remained under treatment for more than a week and succumbed to burn injuries on 12.09.2005. On the death of Saraswatibai, the FIR was altered to Section 302, IPC. Dr. Satish Udaybhanu Padhan– (PW8) conducted autopsy on the body of deceased Saraswatibai and issued Post Mortem Certificate (Ex.22). Dr. Satish Udaybhanu Padhan (PW8) opined that the deceased died due to shock and septicaemia caused by 60% burn injuries. Inquest was held and on completion and further investigation, charge-sheet was filed against the accused under Section 302, IPC.

4. To bring home the guilt of the accused, in the trial court prosecution examined ten witnesses and exhibited several documents and material objects. After closing the prosecution evidence the accused was questioned under Section 313, Cr.P.C. about the incriminating evidence and circumstances and the accused denied all of them. The accused pleaded that the fire was accidental and during his questioning under Section 313, Cr.P.C., he filed Ex.34 – his statement of defence. Upon consideration of the evidence, trial court held that the guilt of the accused is proved beyond reasonable doubt and convicted the accused under Section 302, IPC and sentenced him to undergo life imprisonment and imposed a fine of Rs.1000/- with default clause to suffer rigorous imprisonment for two months.

KNOWLEDGE OF CURRENT LEADING CASES

Q.3- Briefly state the principles of law or guidelines laid down by the Supreme Court in following cases. Out of given two options you may choose one -

निम्नलिखित मामलों में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित विधि के सिद्धान्तों या मार्गदर्शक सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। दिये गये दो विकल्पों में से आप एक चुन सकते हैं–

3(a)	Lalita Kumari *Vs.* Govt. of U.P. & Others. AIR 2014 SC 187	**OR**	Suresh Kumar Kaushal and Anr. *Vs.* NAZ Foundation and Ors. AIR 2014 SC 563.	5
3(b)	Ravi Prakash Singh *Vs.* State of Bihar. AIR 2015 SC 1294	**OR**	New India Assurance Co. Ltd *Vs.* Hilli Multipurpose Cold Storage Pvt. Ltd. AIR 2016 SC 86.	5
3(c)	Indra Sarma *Vs.* V.K.V. Sarma. AIR 2014 SC 309	**OR**	Neeru Yadav *Vs.* State of UP and Anr. AIR 2015 SC 3703	5
3(d)	Central Bureau of Investigation *Vs.* Rathin Dandapath and Ors. AIR 2015 S. C. 3285	**OR**	K. Nanjappa (Dead) by LRs. *Vs.* R.A. Hameed (Dead) by LRs. and Anr. AIR 2015 S. C. 3389	5
3(e)	Raj Kumari & Anr. *Vs.* Krishna & Ors. AIR 2015 SC 2697	**OR**	Jogendra Yadav and Ors. *Vs.* State of Bihar AIR 2015 SC 2951	5
3(f)	State of Madhya Pradesh *Vs.*Madanlal. AIR 2015 SC 3003	**OR**	Krishna Texport and Capital Markets Ltd. *Vs.* Ila A. Agrawal and Ors. AIR 2015 SC 2091	5

Q.4(a)- Translate the following 15 Sentences into English :-
निम्नलिखित 15 वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : –15

1. आधुनिक युग प्रजातांत्रिक युग है। प्रजातंत्र केवल एक सरकार का प्रकार नहीं है बल्कि यह एक जीवन का तरीका भी है।
2. एक समाज जिसके पास कोई नियम नहीं है अथवा जिसके सदस्य इसके नियमों का पालन नहीं करते हैं, शीघ्र ही टुकड़ों में गिर जाता है।
3. एक व्यक्ति पैसों की छोटी राशि जमा करके बचत जमा खाता खोल सकता है। वह अपने खाते से जब जरूरत हो धनराशि निकाल सकता है ।

4. जमाकर्ता को एक चेक बुक और पास बुक जारी की जाती है। जमाकर्ता द्वारा सभी जमा की गई और निकाली गई राशियां इस पास बुक में अभिलिखित की जाती है।
5. एक सबसे बड़ी समस्या जो उद्योगों और व्यवसायियों द्वारा उत्पन्न की जा रही है वह प्रदूषण की है।
6. यद्यपि सरकार बड़े उद्योगों को शहरी क्षेत्र से हटाने के उपाय कर रही है लेकिन लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योग अभी भी शहरी क्षेत्र में विद्यमान है।
7. प्रभावकारी वैधानिक नियंत्रण प्रणाली के अभाव ने कई वायु एवं जल प्रदूषणकारी उद्योगों को शहरी क्षेत्रों में स्थापित होने को प्रोत्साहित किया है।
8. इन परिस्थितियों में अपील स्वीकार की जाती है एवं विषय को, विधि के अनुसार निराकरण करने के लिये, आयु निर्धारण समिति को प्रतिप्रेषित किया जाता है।
9. यह व्यक्त किया गया है कि अपीलार्थी का प्रथम दृष्ट्या प्रकरण नहीं है और उसके पक्ष में सुविधा का संतुलन नहीं है।
10. अधीनस्थ न्यायालय में व्यादेश का आवेदन उचित रूप से निरस्त किया गया है एवं उसमें इस न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप अपेक्षित नहीं है।
11. यह इंगित करती है कि वह बैंक और ऋणी के मध्य लिखित अनुबंध का विवक्षित रूप से पक्षकार था।
12. अपचारी कर्मचारी ने आरोप को अस्वीकार करते हुए विभागीय जांच में उपस्थित रह कर अपना प्रतिरक्षण किया है।
13. विभागीय जांच के दौरान जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुतकर्ता अधिकारी की ओर से प्रस्तुत चार साक्षी का परीक्षण किया गया है।
14. कारण लिखना यह सुनिश्चित करता है कि निर्णयकर्ता द्वारा अनुचित बातों को अमान्य करने के द्वारा सुसंगत आधारों पर निर्णय लेने में विवेक का प्रयोग किया गया है।
15. सकारण आदेश वास्तव में न्यायिक निर्णय का जीवन रक्त है और इस सिद्धांत को औचित्यपूर्ण बनाते है कि 'कारण न्याय की आत्मा है'।

Q.4(b)- Translate the following 15 Sentences into Hindi :-
निम्नलिखित 15 वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : —15

1- It is not in dispute that Arm Licence for personal safety has been granted to the petitioner and the petitioner was going from Gwalior to Morena.

2- Near Police Station Purani Chhawani, Gwalior, his vehicle was stopped and during search he was asked to produce his arm licence to the police.

3- During checking it was found that more than the permissible limit of cartridges were being carried by the petitioner and therefore a case was registered against the petitioner by the police.

4- The incident was informed to the respondent No.2 and the respondent No.2 in turn intimated the same to the District Magistrate, Gwalior and recommended to cancel the license of the petitioner.

5- The District Magistrate after receiving the letter from the respondent No.2 suspended the licence with immediate effect till the finalization of the case registered against the petitioner.

6- Learned Counsel for the petitioner has submitted that there is no valid ground for suspending the licence because the petitioner is not an accused of a serious crime or habitual criminal.

7- Fire insurance is a contract under which one party (the Insurer) in return for a consideration (Premium) agrees to indemnify the other party (Insured) for the financial loss to the property insured by fire.

8- A mediator should make every effort to comply with the spirit and intent of these Standards in resolving conflicts and this effort should include honoring all remaining Standards also.

9- A mediator should neither give nor accept a gift, favor, loan or other item of value that raises a question as to the mediator's actual or perceived impartiality.

10- A mediator shall avoid a conflict of interest and he shall make a reasonable inquiry to determine whether there are any facts to create a potential or actual conflict of interest.

11- A mediator should attend educational programmes and related activities to maintain and enhance the mediator's knowledge and skills related to mediation.

12- Only a person who has suffered, or suffers from legal injury can challenge the act/action/order etc. in a Court of law. There must be a judicially enforceable right available in his favour, for enforcement.

13- A writ petition is maintainable either for the purpose of enforcing a statutory or legal right or when there is a complaint regarding a breach of statutory duty on the part of the Authorities.

14- The Court can enforce the performance of a statutory duty by a public body, using its writ jurisdiction at the behest of a person, provided that such person satisfies the Court that he has a legal right.

15- The existence of such right is a condition precedent for invoking the writ jurisdiction of the Courts and the relief prayed for must be one to enforce a legal right.

*****

M.P.HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION – 2016

अनुक्रमांक/Roll No. | | | | |

Total No. of Questions :12
कुल प्रश्नों की संख्या : 12

No. of Printed Pages : 4
मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

CRIMINAL LAWS & PROCEDURE
अपराध विधि एवं प्रक्रिया

Third Question Paper
तृतीय प्रश्न–पत्र

समय – 3:00 घण्टे
Time Allowed – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100

निर्देश :–
Instructions :-

1. All questions are compulsory. Answer to all the Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of the question, the English version shall prevail.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any mark of identification in any form or any Number or Name or Mark, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/ identified from others, in any place of the Answer Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.
   उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।

3. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be done.
   सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर–पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्त्ता/मूल्यांकनकर्त्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.No./प्र.क्र. **Marks/अंक**

INDIAN PENAL CODE, 1860
भारतीय दण्ड संहिता, 1860

1. Enumerate the essential ingredients of Criminal misappropriation and criminal breach of trust. Explain briefly the distinction between both.

   आपराधिक दुर्विनियोग एवं आपराधिक न्यास भंग के आवश्यक तत्वों का विस्तृत विवरण दीजिए । दोनों के मध्य अंतर संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ? 8

2. Culpable homicide is not murder if the offender while deprived of the power of self-control by grave and sudden provocation causes the death of person who gave the provocation. Discuss and distinguish this exception from Exception 4 to Section 300 dealing with homicide committed in the heat of passion upon a sudden quarrel ?

   आपराधिक मानववध हत्या नहीं है यदि अपराध उस समय जबकि वह गम्भीर और अचानक प्रकोपन से आत्मसंयम की शक्ति से वंचित हो, उस व्यक्ति की जिसने प्रकोपन दिया की मृत्यु कारित करे । विवेचना कीजिये और इस अपवाद को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 के अपवाद 4 जो अचानक झगड़ा जनित आवेश की तीव्रता में किये गये मानववध पर विचार करता है से विभेदित कीजिये। 8

3. "Criminal sharing, overt or covert, by active presence or by distant direction making out a certain measure of jointness in the commission of the act is the essence of the theory of common intention". Critically examine the above statement by referring to leading decisions on the point.

   "आपराधिक अंश–विभाजन, गुप्त या प्रकट, सक्रिय उपस्थिति से या दूरस्थ निदेश द्वारा, जिससे कार्य के किये जाने में कतिपय माप की संयुक्तता का पता लगता है, सामान्य आशय के सिद्धांत का सार है"। इस बिंदु पर प्रमुख निर्णयों को संदर्भित करते हुए उपरोक्त कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए । 8

CRIMINAL PROCEDURE CODE, 1973
दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973

4. Whether "a police officer is bound to register a First Information Report (FIR) upon receiving any information relating to commission of a cognizable offence under Section 154 of the Code of Criminal Procedure, 1973 or the police officer has the power to conduct a "preliminary inquiry" in order to test the veracity of such information before registering the same ?" Discuss.

   क्या एक पुलिस अधिकारी संज्ञेय अपराध के घटित होने की सूचना प्राप्त होने पर धारा 154 द.प्र.सं. 1973 के प्रावधान के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध करने को बाध्य

है अथवा पुलिस अधिकारी ऐसा पंजीयन करने के पूर्व सूचना की सत्यता की परख करने हेतु प्रारंभिक जाँच करने की शक्ति रखता है। चर्चा कीजिए । 8

5. Enumerate the procedure for filing private complaint in respect of an offence exclusively triable by the court of sessions. What course a magistrate should follow if during pendency of complaint it is brought to his notice that an investigation by the police is also in progress in relation to the same subject matter ?

सेशन न्यायालय के द्वारा एकाकी रूप से विचारण योग्य अपराध के संबधं में निजी परिवाद प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का विस्तृत विवरण दीजिए। मजिस्ट्रेट को क्या करना चाहिये जब परिवाद के लंबित रहने के दौरान उसकी जानकारी में लाया जाता है कि उसी विषय–वस्तु के संबधं में पुलिस द्वारा अन्वेषण भी प्रगति में है ? 8

6. What is an inquest proceeding? What is the object of inquest proceeding? Who are empowered / required under the Code to hold such enquiry ? Is it necessary for the person holding the inquest to mention names of the accused, eyewitnesses, or weapons carried in the report ? Discuss.

मर्ग की कार्यवाही क्या है? मर्ग की कार्यवाही का उद्देश्य क्या होता है ? संहिता के अंतर्गत ऐसी जाँच करने के लिये कौन सशक्त/अपेक्षित है ? क्या मृत्यु समीक्षा करने वाले व्यक्ति को प्रतिवेदन में अभियुक्त, चक्षुदर्शी साक्षीगण के नामों अथवा धारण किये गये आयुधों का वर्णन आवश्यक है ? चर्चा कीजिए । 8

INDIAN EVIDENCE ACT, 1872
भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872

7. Enumerate general principles when a conviction can be based on circumstantial evidence in the light of ratio of Supreme Court decision in case of Sharad Birdhichand Sarda v/s State of Maharashtra AIR 1984 SC 1622.

शरद बिर्धीचंद सारदा विरूद्ध महाराष्ट्र राज्य ए.आईआर. 1984 सुप्रीम कोर्ट 1622 के मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत के प्रकाश में, कब परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर दोषसिद्धि आधारित की जा सकती है, सामान्य सिद्धान्त बताइये। 8

8. Explain Distinction between primary and secondary evidence. How contents of documents may be proved? When a notice is required before giving secondary evidence of the contents of the documents ?

प्राथमिक एवं द्वितीयक साक्ष्य के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए ? दस्तावेजों की अंतर्वस्तु किस प्रकार प्रमाणित की जा सकती है ? दस्तावेजों की अंतर्वस्तु की द्वितीयक साक्ष्य देने के पूर्व सूचना–पत्र कब अपेक्षित होता है ? 8

9. What is the evidentiary value of an expert ? When discrepancy between medical evidence and direct testimony is fatal to the prosecution ? Explain.

विशेषज्ञ का साक्ष्यिक मूल्य क्या है ? मेडिकल साक्ष्य तथा प्रत्यक्ष परिसाक्ष्य में विसंगति अभियोजन के लिये कब घातक होती है ? स्पष्ट कीजिए । 8

NEGOTIABLE INSTRUMENTS ACT, 1881
परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881

10. Describe the mode of service of summons and recording of evidence in a case based on dishonor of cheque. Under what form (affidavit or oral) the complainant and the accused may be permitted to give the evidence to prove their version ?

चेक के अनादरण पर आधारित प्रकरण में समंस की तामीली के तरीके और साक्ष्य के अभिलिखित किये जाने के तरीके का वर्णन कीजिए ? परिवादी और अभियुक्त को अपना पक्ष प्रमाणित करने हेतु साक्ष्य को किस रूप में (शपथपत्र या मौखिक) दिया जाना अनुज्ञात किया जा सकता है। 8

SC & ST (PREVENTION OF ATROCITIES) ACT, 1989
अनु0 जाति और अनु0 जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989

11. Enumerate the essential ingredients of offences punishable under Section 3(1)(xi) of SC & ST (Prevention Of Atrocities) ACT, 1989. Point out the basic differences between the offences punishable under Section 3(1)(xi) of the Act and Section 354 of the IPC.

अनु0 जाति और अनु0 जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1)(xi)के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध के आवश्यक तत्वों को बतायें। अधिनियम की धारा 3(1)(xi) एवं भा.द.स. की धारा 354 के अंतर्गत दण्डनीय अपराधों के मध्य आधारभूत अंतरों को इंगित कीजिये । 8

MIXED
मिश्रित

12. **Write Short-notes on: -** 6+6 = 12

(1) Presumption as to offences under the SC & ST (Prevention of Atrocities) Act, 1989

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत अपराध की उपधारणा।

(2) Cognizance of an offence punishable under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध का संज्ञान

****